जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
सच के साथ.....
RNI No.-MPHIN/2001/14172
AZAD हिन्दुस्तान LIVE

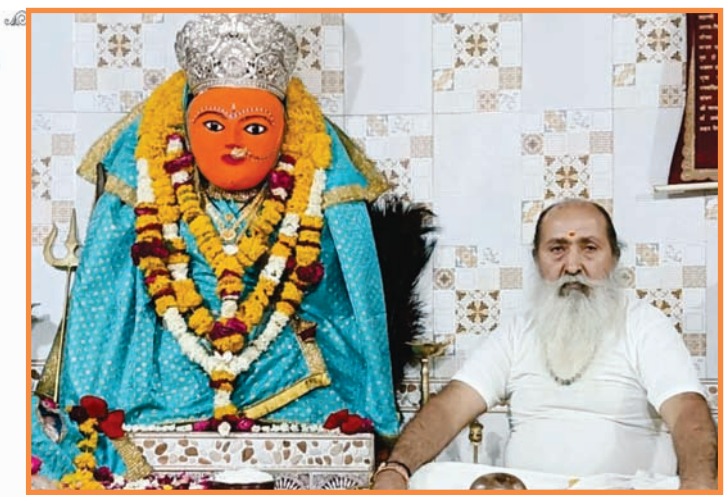

वर्ष-23 अंक- 01 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 03 जनवरी से 09 जनवरी 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

बड़वाह में विकास का नया सवेरा लेकर आया है 2023 का नववर्ष

85 करोड़ की लागत से 2 वर्ष में बनेगा मोरटक्का नर्मदा नदी पर नया ब्राडगेज भव्य रेल्वे पुल

डेढ़ सदी पुराना मोरटक्का स्थित नर्मदा नदी पर बना ऐतिहासिक मीटरगेज पुल अब चंद दिनों का मेहमान

बड़वाह नवरत्नमल जैन

करीब डेढ़ सदी पहले सन् 1857 में निर्मित तथा बड़वाह से 3 किलोमीटर दूर स्थित होलकर कालीन नर्मदा नदी के ऐतिहासिक मीटर गेज रेल पुल अब चंद दिनों का ही मेहमान है । क्षेत्र के लाखों लोगों की यादे एवं भावनाऐं अब स्मृतियां बन कर रह जायेगी । सेकड़ों बरसों में आई नर्मदा नदी की अनेक भीषण बाढ़ के हालातों में भी चट्टान की तरह अडिग एवं सुरक्षित रहने वाले इस मीटरगेज पुल को मध्य प्रदेश में अब पूरी तरह नेस्तेनाबूत करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। इस पुल को तोड़ने के पीछे इस मीटर गेज रेल लाईन को ब्राडगेज लाईन में परिवर्तन करने से नये नर्मदापुल का निर्माण करना है । जिससे बड़वाह पूरे देश के साथ सीधे जुड़ सकेगा एवं क्षेत्र के विकास में नये आयाम स्थापित होगें ।

कब और किसने बनाया था यह मीटरगेज रेल पुल?

दरअसल होलकर काल में अंग्रेजों द्वारा महू-सनावद रेल खंड पर बड़वाह के निकट मोरटक्का में बनाये गये मीटरगेज पुल को रतलाम मंडल द्वारा नेस्तेनाबूत किया जाएगा। इसके पश्चात् यहां आधुनिक तकनीक से नए सिरे ब्राडगेज ब्रिज बनाया जाना है । १८५७ बने करीब 145 साल पुराने इस ब्रिज को तोड़ने से लेकर नए ब्रिज बनाने में रेलवे के 85 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बता दें कि रेलवे ने महू-खण्डवा ब्राडगेज लाइन को तैयार करने के लिए मार्च 2026 तक का समय तय किया है। इस पूरे रेल खण्ड पर अलग-अलग हिस्सों में काम शुरू किया जा रहा है। होलकर काल में १८५७ में महू-सनावद मीटरगेज रेलखण्ड के मोरटक्का स्थित नर्मदा नदी पर 900 मीटर लंबा ब्रिज बनाया गया था।

अब कौन, कैसे और कब बनायेगा नया नर्मदा पुल?

पिछले अनेक वर्षो से इन्दौर से खंडवा मीटरगेज लाईन को ब्रॉडगेज लाईन में परिवर्तन करने की मांग नागरिकों द्वारा की जाती रही है । इस मांग को लेकर अनेक बार अनेक सामाजिक संगठनों ने बडे -बड़े आन्दोलन भी किये । आखिर सरकार ने निमाड़ क्षेत्र की जनभावनाओं की कद्र करते हुये इस लाईन का ब्राडगेज लाईन में परिवर्तन करने की योजना को स्वीकृति प्रदान की है । भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा इस योजना को मंजूरी दी गई और अब जाकर इस कार्य को अंजाम दिया जारहा है । इसी तारतम्य में रतलाम मंडल की निर्माण शाखा ने इस ब्रिज को नए सिरे से बनाने के लिए टेंडर जारी किया है।

मेहसाना के राजकमल बिल्डर्स प्रा.लि.द्वारा 2 वर्ष में बनाया जायेगा नया नर्मदा पुल...

रेल्वे विभाग द्वारा जारी किये गये टेंडर को गुजरात के मेहसाना के राजकमल विल्डर्स प्रां.लि ने लिया । आजाद हिन्दुस्तान से बातचीत करते हुये ठेकेदार ने बताया कि इस नये पुल का टेंडर हमे मिला है । टेंडर में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार पुराने पुल को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। इसके बाद यहां ८५ करोड़ रूपये की लागत से ९३० मीटर अर्थात लगभग १ किलोमीटर लंबा ब्राडगेज ब्रिज तैयार किया जाएगा। जो 14 पीलर पर खड़ा होगा। इस पुल का निर्माण २ साल में पूरा होगा ।

ठेकेदार ने प्रारंभ की प्राथमिक तैयारियां

अब ब्रीज बनाने को लेकर ठेकेदार ने अपनी ओर से प्राथमिक तैयारियां प्रारंभ करदी है । ब्रिज के मेटेरियल हेतु प्लांट तैयार किया जारहा है तो वही नर्मदा नदी में रास्ता बनाने का काम भी प्रारंभ कर दिया गया । आजाद हिन्दुस्तान से की गई खास बात में ठेकेदार ने बताया कि हमारा टेंडर हो चुका है और हमने प्राथमिक तैयारियां भी प्रारंभ करदी है लेकिन अभी सरकार की ओर से हमे वर्क आर्डर मिलना बाकी है । ज्यों ही वर्क आर्डर एवं डिजाईन मिली हमारे द्वारा पहले पुराने पुल को तोडने एवं नये पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ होजायेगा । टेंडर के अनुसार पहले ब्रिज की स्पान, पीलर, गर्डर आदि को डिसमेंटल करना होगा। इसके बाद नए सिरे से स्टील गर्डर स्पान, फाउंडेशनस, सबस्ट्रक्चर, सुपरस्ट्रक्चर आदि काम करने होंगे।

जानकारी के अनुसार रतलाम-इंदौर-खण्डवा-अकोला गेज कन्वर्जन प्रोजेक्ट 2008 में शुरू हुआ था। वर्तमान में इस प्रोजेक्ट में रतलाम-फतेहाबाद-इंदौर-महू तक और सनावद-मथेला-खण्डवा तक ब्राडगेज लाइन तैयार हो चुकी है। वहीं खण्डवा-अकोला के बीच कुछ हिस्सो में ब्राडगेज लाइन का काम चल रहा है। प्रोजेक्ट पूरा होने पर इंदौर-मुंबई की दूरी 70 किमी और उत्तर.दक्षिण के बीच ट्रेनों की दूरी 170 किमी तक कम हो जाएगी।

चार साल में तैयार करना था पूरा प्रोजेक्ट , जबकि होगये 14 साल

रतलाम-इंदौर-खण्डवा-अकोला ब्राडगेज प्रोजेक्ट को 14 साल हो चुके हैं। लेकिन अभी तक प्रोजेक्ट कई हिस्सों में अधूरा ही है। महू-सनावद ब्राडगेज प्रोजेक्ट को दो हिस्सों में पूरा किया जाना है। अब प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा और जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा। अब देखना यह है कि नवर्ष का यह सुनहरा सपना कितना जल्दी पूरा होता है।

लोगों की भावनाये अभी भी पुराने मजबूत से जुडी है लेकिन शासन यदि आधुनिकतम टेक्नालाजी से नये पुल का निर्माण करना चाहती है तो उसका स्वागत है ।

बस सभी लोगों की यही भावना है कि जल्द से जल्द अब ब्राडगेज का सपना पूरा होजाये और नया नर्मदा पूल पूरी गुणवत्ता के साथ पहले से अधिक मजबूत बने ।

2023 के अंत तक पूरा हो सकता है नर्मदानदी पर तेजी से निर्माणाधीन फोरलेन मोटर पुल

नवरत्नमल जैन

बड़वाह - 2023 का वर्ष बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिये सोगातो भरा साबित होने वाला है । जहां एक ओर हजारों लोगों को अकाल मौत सुलाने वाले इन्दौर -इच्छापुर हाईवे पर अब फोरलेन निर्माण का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। वहीं प्रतिवर्ष नर्मदा नदी में बाढ आने पर महिनों तक बंद रहने वाले जर्जर एवं बूढ़े हो चुके मोरटक्का पुल से अब लोगों को बहुत जल्दी राहत मिलने वाली है । फोरलेन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बड़वाह के निकट कटघड़ा में निर्माणाधीन नये पुल का कार्य बहुत तेजी से चल रहा है और यदि सब कुछ ठीक रहा तो इस साल के अंत तक 139 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे इस सिक्स लेन पुल की सौगात बड़वाह वासियों को मिल सकेगी । वही पुराने पुल के स्थान पर नये ब्रॉडगेज पुल निर्माण के टेंडर भी हो चुके है और कुछ ही महिनों में पुराने पुल को तोड़कर नये पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ होने वाला है ।

फोरलेन प्रोजेक्ट का निर्माण कर रही जीएचवी कम्पनी से मिली जानकारी के अनुसार फोरलेन निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है । एक ओर जहां सिमरोल में टनल निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है वही बलवाड़ा से धनगांव तक फोरलेन का काम भी तीव्र गति से संचालित है । इसी बीच नर्मदा नदी पर बनने वाले पुल को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है ।

नर्मदा नदी पर 139 करोड़ की लागत से बनाया जारहा है 6 लेन मोटर पुल...

आजाद हिन्दुस्तान ने नर्मदा नदी पर कटघड़ा में नये मोटर पुल का निर्माण कर रही कम्पनी के अधिकारियों से इस सबंध में पूरी जानकारी प्राप्त की । कम्पनी के अधिकारियों ने बताया कि इस नेशनल हाईवे पर हमारा प्रोजेक्ट फोरलेन है लेकिन यहां नर्मदा नदी पर बनाया जारहा नर्मदापुल भविष्य की आवश्यक्ताओं को देखते हुये ६ लेन का बनाया जारहा है । जिसमें ३ लेन आने के लिये और ३ लेन जाने के लिये होगी । कुल ६० पिल्लरों पर यह पुल टिका होगा । अब तक लगभग ३२ प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है । ६० मे से २० पिल्लर बन चुके है शेष पिल्लर बनाने का काम चल रहा है । नये ६लेन मोटरपुल की कुल लागत १३९ करोड रूपये है ।

बांध के पानी का बहाव नियंत्रित हो जाये तो 12 महिने में कर देंगें नये पुल का निर्माण....

निर्माणाधीन कम्पनी के मेनेजर बिपीन पटेल ने बताया कि हमारा प्रयास है कि नर्मदा नदी पर बन रहे इस ६ लेन मोटरपुल का निर्माण जल्दी पूरा हो सके जिससे क्षेत्र वासियों को राहत मिलेगी । लेकिन हमारे सामने सबसे बडी समस्या नर्मदा नदी से लगातार छोड़े जारहे पानी से है। बिजली उत्पादन के चलते रात के समय नर्मदा नदी में पानी तेजी से छोडा जाता है जिससे पानी का बहाव तेज होजाता है और नदी में काम करने के लिये बनाये गये रास्ते बार -बार बह जाते है जिससे काम में देरी होती है । यदि पानी का बहाव नियंत्रित हो तो हमारा प्रयास है कि हम इस पुल के निर्माण कार्य को १२ महिने में पूरा कर देगें । इसके लिये प्रयास किये जारहे है ।

नर्मदा का नया पुल फैट फाईल

ठेकेदार- राजकमल बिल्डर्स प्रा.लि. मेहसाना
लागत -85 करोड़
लम्बाई- 930 मीटर लगभग 1 किलामीटर
कुल पिल्लर-14
समय सीमा -2 वर्ष
स्थान- मोरटक्का नर्मदा नदी